بسم الله الرحمن الرحيم

# متن القاعدة النورانية الفتحية

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا وسيئات أعمالنا..من يهده الله فلا مضل له، ومن يُضلل فلا هادي له، وأشهد أن لا إله إلا الله وحده لا شريك له، وأشهد أن محمداً عبده ورسوله عليه الصلاة والسلام، صلاةً دائمة تُستجاب بها الدعوات وتُنال بها القُربات.

لعل الكثير لا يعلم عن القاعدة النورانية الفتحية من أبناء الجيل المعاصر؛ حيث كانت قبل جيل مضى تُدرَّس في الكتاتيب للأطفال في سن مبكرة؛ فيتعلم الطفل من خلالها تهجئة الحروف بمخارجها الصحيحة مع الحركة المشكولة فيها؛ وبذلك تتأسس لديه مهارة القراءة بقواعد ثابتة يتمكن من خلالها قراءة كل ما يقع بين يديه دون أي عناء أو صعوبة، ومن ثمَّ تتكون لديه ثروة لغوية متميزة.

وإن هذه القاعدة النورانية مازالت منذ عهد بعيد إلى عهدنا هذا منتشرة ومتداولة في بلدان الأعاجم الإسلامية وتدرس على أيدي مشايخ وقراء معروفين، حيث ألفها الشيخ: نور محمد حقاني [1] – رحمه الله – ثم وضع الشيخ فتح محمد المدني [2] – رحمه الله – بعض القواعد الخاص لدراستها وتدريسها، وبعض الترتيبات والتعديلات في المتن لزيادة الضبط والإتقان، مما أدى إلى المزيد من الإقبال عليها وانتشارها، وأصبحت معتمدة في هذه البلدان عند جميع المشايخ والقراء والمدرسين في المدارس الإسلامية والحلقات القرآنية، وذلك من فضل الله تعالى وبركة إخلاص مؤلفها وشارحها.

ومما يثلج الصدور أن القاعدة النورانية بدأت تنتشر في الآونة الأخيرة في معظم البلدان العربية، على وجه الخصوص في المملكة العربية السعودية حيث تقام الدورات المتلاحقة في مناطق كثيرة كالمدينة المنورة والرياض ومكة المكرمة وفي جدة بالذات؛ فقد تجاوز عدد المعلمات اللائي درسنها (٢٠٠) معلمة، هذا غير الدورات الخاصة.

---

١. نذر نفسه منذ أن أكمل تعليمه لنشر العلم وتعليم القرآن الكريم، مع العلم أنه متخصص في الحديث وعلومه، ولد عام ١٢٧٢هـ وتوفي عام ١٣٤٣هـ.

٢. شيخ مقارئ القارة الهندية سابقاً، ولد عام ١٣٢٢هـ وتوفي عام ١٤٠٧هـ.

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

الدَّرْسُ الْأَوَّلُ

# الْحُرُوفُ الْهِجَائِيَّةُ الْمُفْرَدَةُ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ا ألف | ب با | ت تا | ث ثا | ج جيم |
| ح حا | خ خا | د دال | ذ ذال | ر را |
| ز زا | س سين | ش شين | ص صاد | ض ضاد |
| ط طا | ظ ظا | ع عين | غ غين | ف فا |
| ق قاف | ك كاف | ل لام | م ميم | ن نون |
| و واو | ه ها | ء همزة | ي يا | ے يا |

الدَّرْسُ الثَّانِي

# اَلْحُرُوفُ الْهِجَائِيَّةُ الْمُرَكَّبَةُ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ا | لا | لا | با | لا |
| ل | لا | لج | لا | بلب |
| ك | لك | كب | كت | كا |
| كل | بكت | تكث | ب | ت |
| ث | ن | ى | با | نا |
| تا | يا | ثا | بس | يس |
| نص | تض | ثط | ثج | تح |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نخ | تح | نج | يم | بم |
| نم | تم | ثم | ني | تي |
| ني | تي | ثي | نبل | بنل |
| تنل | يتل | يثل | نبن | بنن |
| تين | يثن | بثن | ج | ح |
| خ | حث | خب | جت | تحت |
| تجب | نخت | ة | ه | بة |
| يه | تة | نه | هـ | يهب |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| بها | بهم | د | ذ | جد |
| خذ | ر | ز | ر | جر |
| خز | ير | تز | س | ش |
| شل | سل | ص | ض | ط |
| ظ | صب | طب | ضا | ظا |
| ع | غ | عج | غح | بع |
| يغ | بعد | تغذ | ف | ق |
| و | قل | فو | قو | نقر |
| يفر | يف | فيه | منه | تمت |
| ء | أ | ؤ | ئ | سئلمنا |

الدَّرْسُ الثَّالِثُ

## اَلْحُرُوفُ الْمُقَطَّعَةُ

| | | | |
|---|---|---|---|
| الٓمٓ | الٓمٓصٓ | الٓر | الٓمٓر |
| كٓهيٓعٓصٓ | طه | طسٓمٓ | |
| طسٓ | يسٓ | صٓ | حمٓ |
| حمٓ ○ عٓسٓقٓ | قٓ | نٓ | |

الٓمٓ ○ اللّٰهُ

الدَّرْسُ الرَّابِعُ

# الْحُرُوفُ الْمُتَحَرِّكَةُ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| أَ | إِ | أُ | هَ | هِ |
| هُ | عَ | عِ | عُ | حَ |
| حِ | حُ | غَ | غِ | غُ |
| خَ | خِ | خُ | قَ | قِ |
| قُ | كَ | كِ | كُ | جَ |
| جِ | جُ | شَ | شِ | شُ |
| يَ | يِ | يُ | ضَ | ضِ |
| ضُ | لَ | لِ | لُ | نَ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| نِ | نُ | رَ | رِ | رُ |
| طَ | طِ | طُ | دَ | دِ |
| دُ | تَ | تِ | تُ | صَ |
| صِ | صُ | سَ | سِ | سُ |
| زَ | زِ | زُ | ظَ | ظِ |
| ظُ | ذَ | ذِ | ذُ | ثَ |
| ثِ | ثُ | فَ | فِ | فُ |
| وَ | وِ | وُ | بَ | بِ |
| بُ | مَ | مِ | مُ | |

الدَّرْسُ الخَامِسُ

# الْحُرُوفُ الْمُنَوَّنَةُ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| مًا | مٍ | مٌ | بًا | بٍ |
| بٌ | وًا | وٍ | وٌ | فًا |
| فٍ | فٌ | ثًا | ثٍ | ثٌ |
| ذًى | ذٍ | ذٌ | ظًا | ظٍ |
| ظٌ | زًا | زٍ | زٌ | سًا |
| سٍ | سٌ | صًا | صٍ | صٌ |
| ةً | تٍ | ةٌ | دًى | دٍ |
| دٌ | طًا | طٍ | طٌ | رًا |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| رٍ | رٌ | نًا | نٍ | نٌ |
| لاً | لٍ | لٌ | ضًا | ضٍ |
| ضٌ | يًا | يٍ | يٌ | شًا |
| شٍ | شٌ | جًا | جٍ | جٌ |
| كًا | كٍ | كٌ | قًا | قٍ |
| قٌ | خًا | خٍ | خٌ | غًا |
| غٍ | غٌ | حًا | حٍ | حٌ |
| عًا | عٍ | عٌ | هًا | هٍ |
| هٌ | ءً | ءٍ | ءٌ | |

## تَدْرِيبَاتٌ عَلَى الْحَرَكَاتِ وَالتَّنْوِينِ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| أَبَدًا | أَحَدُ | أَخَذَ | أَذِنَ | أَمَرَ | أَنَاْ |
| بَخِلَ | بَرَرَةٍ | جَعَلَ | جَمَعَ | حَسَدَ | حَشَرَ |
| خَشِيَ | خَلَقَ | خُلِقَ | ذَكَرَ | رَفَعَ | رَقَبَةٍ |
| سُرُرُ | سَفَرَةٍ | صُحُفًا | صَمَدُ | طَبَقٍ | طَبَقًا |
| طُوًى | عَبَسَ | عَدَلَ | عَلَقٍ | عَمَدٍ | عِنَبًا |
| غَبَرَةٌ | فَعَلَ | قَتَرَةٌ | قُتِلَ | قَدَرَ | قُرِئَ |
| قَسَمٌ | كَبَدٍ | كُتُبٌ | كَسَبَ | كَفَرَ | كُفُوًا |
| لُبَدًا | لُمَزَةٍ | لَهَبٍ | مَسَدٍ | نَخِرَةً | وَجَدَ |
| وَسَقَ | وَقَبَ | وَلَدَ | وَهَبَ | هُمَزَةٍ | هُدًى |

الدَّرْسُ السَّابِعُ

# الْحَرَكَاتُ الطَّوِيلَةُ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| بَا | بِي | بُو | يَا | يِي |
| يُو | رَا | رِي | رُو | مَا |
| مِي | مُو | لَا | لِي | لُو |
| وَا | وِي | وُو | نَا | نِي |
| نُو | ءَا | ءِي | ءُو | هَا |
| هِي | هُو | عَا | عِي | عُو |
| غَا | غِي | غُو | حَا | حِي |
| حُو | خَا | خِي | خُو | تَا |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| تِ | تُ | ثَ | ثِ | ثُ |
| جَ | جِ | جُ | دَ | دِ |
| دُ | ذَ | ذِ | ذُ | زَ |
| زِ | زُ | سَ | سِ | سُ |
| شَ | شِ | شُ | صَ | صِ |
| صُ | ضَ | ضِ | ضُ | طَ |
| طِ | طُ | ظَ | ظِ | ظُ |
| فَ | فِ | فُ | قَ | قِ |
| قُ | كَ | كِ | كُ | |

الدَّرْسُ الثَّامِنُ

## حُرُوفُ الْمَدِّ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| بَا | بُوْا | بِىْ | تَا | تُوْا |
| تِىْ | ثَا | ثُوْا | ثِىْ | حَا |
| حُوْا | حِىْ | خَا | خُوْا | خِىْ |
| رَا | رُوْا | رِىْ | زَا | زُوْا |
| زِىْ | طَا | طُوْا | طِىْ | ظَا |
| ظُوْا | ظِىْ | فَا | فُوْا | فِىْ |
| هَا | هُوْا | هِىْ | يَا | يُوْا |
| تِىْ | أَا | أُوْ | إِيْ | جَا |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| جُوْا | جِیْ | دَا | دُوْا | دِیْ |
| ذَا | ذُوْا | ذِیْ | سَا | سُوْا |
| سِیْ | شَا | شُوْا | شِیْ | صَا |
| صُوْا | صِیْ | ضَا | ضُوْا | ضِیْ |
| عَا | عُوْا | عِیْ | غَا | غُوْا |
| غِیْ | قَا | قُوْا | قِیْ | کَا |
| کُوْا | کِیْ | لَا | لُوْا | لِیْ |
| مَا | مُوْا | مِیْ | نَا | نُوْا |
| نِیْ | وَا | وُوْا | وِیْ | |

# حُرُوفُ اللِّيـنِ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| تَوْ | تَىْ | ثَوْ | ثَىْ | دَوْ | دَىْ |
| ذَوْ | ذَىْ | رَوْ | رَىْ | زَوْ | زَىْ |
| سَوْ | سَىْ | شَوْ | شَىْ | صَوْ | صَىْ |
| ضَوْ | ضَىْ | طَوْ | طَىْ | ظَوْ | ظَىْ |
| لَوْ | لَىْ | نَوْ | نَىْ | أَوْ | أَىْ |
| بَوْ | بَىْ | جَوْ | جَىْ | حَوْ | حَىْ |
| خَوْ | خَىْ | عَوْ | عَىْ | غَوْ | غَىْ |
| فَوْ | فَىْ | قَوْ | قَىْ | كَوْ | كَىْ |
| مَوْ | مَىْ | وَوْ | وَىْ | هَوْ | هَىْ |
| | | يَوْ | يَىْ | | |

## الدَّرْسُ التَّاسِعُ

## تَدْرِيبَاتٌ عَلَى الْحَرَكَاتِ الطَّوِيلَةِ وَحُرُوفِ الْمَدِّ وَاللِّينِ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ءَامَنَ | ءَاوَى | ءَانِيَةٍ | إِۦلَٰفِ | أَيْنَ | بِهِۦ |
| جَآءَ | جِآئَ | هَارٍ | نَارًا | خَيْرٌ | دَاوُۥدُ |
| رُوَيْدًا | رَضُوا | رِجَالٌ | مَٰلِكِ | شَيْءٌ | طَغَىٰ |
| طَغَوْ | طَيْرًا | عَادٍ | عَلَىٰ | عَيْنٌ | فِيهِ |
| قَالَ | قَوْلٌ | كَانَ | كَيْدًا | كَيْفَ | لَوْحٍ |
| لَيْسَ | مَالًا | خَوْفٍ | مَآءٍ | وَيْلٌ | يَوْمٍ |
| يَرَهُۥ | حَاسِدٍ | حَافِظٌ | دَافِقٍ | شَاهِدٍ | عَابِدٌ |
| عَآئِلًا | غَاسِقٍ | نَاصِرٍ | وَالِدٍ | أَعُوذُ | أَكِيدُ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| تَخَافُ | يَدٰهُ | يُقَالُ | تُرَابًا | حِسَابًا | سُبَاتًا |
| سِرَاجًا | سَلٰمٌ | شِدَادًا | شَرَابًا | صَوَابًا | طَعَامٍ |
| عَذَابًا | عَطَآءً | غُثَآءً | كِتَابًا | كِرَامًا | لِبَاسًا |
| لِسَانًا | مَئَابًا | مَتَاعًا | مُطَاعٍ | مَعَاشًا | مَفَازًا |
| مِهٰدًا | نَبَاتًا | وِفَاقًا | ثُبُورًا | رَسُولٍ | شُهُودٌ |
| قُعُودٌ | وُجُوهٌ | أَثِيمٍ | أَلِيمٍ | بَصِيرًا | خَبِيرٌ |
| رَحِيقٍ | شَهِيدٌ | عَظِيمٍ | قَرِيبًا | كَرِيمٍ | مَجِيدٌ |
| مُحِيطٌ | نَعِيمٍ | يَتِيمًا | يَسِيرًا | ذٰلِكَ | قُرَيْشٍ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| عِيشَةٍ | مَوْءُدَةُ | مَوْضُوعَةٌ | مَوَازِينُهُ | يَوْمَئِذٍ |

الدَّرْسُ العَاشِرُ

# السُّكُونُ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| أَأْ | إِأْ | أُأْ | أَعْ | إِعْ |
| أُعْ | أَثْ | إِثْ | أُثْ | أَذْ |
| إِذْ | أُذْ | أَظْ | إِظْ | أُظْ |
| أَزْ | إِزْ | أُزْ | أَسْ | إِسْ |
| أُسْ | أَصْ | إِصْ | أُصْ | أَحْ |
| إِحْ | أُحْ | أَهْ | إِهْ | أُهْ |
| أَتْ | إِتْ | أُتْ | أَطْ | إِطْ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| أُطْ | أَكْ | إِكْ | أُكْ | أَقْ |
| إِقْ | أُقْ | أَبْ | إِبْ | أُبْ |
| أَجْ | إِجْ | أُجْ | أَدْ | إِدْ |
| أُدْ | أَشْ | إِشْ | أُشْ | أَضْ |
| إِضْ | أُضْ | أَغْ | إِغْ | أُغْ |
| أَرْ | إِرْ | أُرْ | أَفْ | إِفْ |
| أُفْ | أَمْ | إِمْ | أُمْ | أَوْ |
| | أُوْ | أَيْ | إِيْ | |

## الدَّرْسُ الْحَادِي عَشَرَ

## تَدْرِيبَاتٌ عَلَى السُّكُونِ

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| أَنْتَ | إِهْدِ | بَعْدُ | بَطْشَ | سَعْىَ |
| كُنْتُ | لَسْتَ | قُرْءَانُ | بَرْدًا | مِرْيَةٍ |
| اِرْجِعْ | إِرْبَةِ | مِصْرَ | قِطْرٍ | قِرْطَاسٍ |
| مِرْصَادًا | فِرْقَةٍ | مَنِ ارْتَضَىٰ | اِرْحَمْ | اِرْتَبْتُمْ |
| أَنْذِرْ | خَيْرُ | فَاصْبِرْ | صَبْرًا | يَسِيْرُ |
| غُلْبًا | فَصْلُ | قَدْحًا | قَضْبًا | كَأْسًا |
| كَدْحًا | لَغْوًا | مِسْكُ | نَخْلًا | نَشْطًا |
| نَفْسٍ | نَقْعًا | يُسْرًا | أَبْقَىٰ | عَدْنٍ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| عَشْرٍ | يَخْشَىٰ | يَسْعَىٰ | يَتْلُوا | يَدْعُوا |
| تَجْرِي | يَهْدِي | يُغْنِي | أَلْقَتْ | أَمْهِلْ |
| إِقْرَأْ | فَارْغَبْ | فَانْصَبْ | وَانْحَرْ | مِنْ هَادٍ |
| مِنْ عَلَقٍ | أَنْعَمْتَ | مَنْ ءَامَنَ | مِنْ خِلَافٍ | |
| أَلْهَمَ | أَنْشَرَ | أَنْقَضَ | دَمْدَمَ | |
| عَسْعَسَ | أَعْبُدُ | نَعْبُدُ | تَخْرُجُ | |
| تَحْسَبُ | يَشْرَبُ | يَشْهَدُ | تَرْهَقُ | تَعْرِفُ |
| أُقْسِمُ | يُبْدِئُ | دُنْيَا | قِنْوَانٌ | صِنْوَانٌ |
| بُنْيَانٌ | حُشِرَتْ | سُطِحَتْ | كُشِطَتْ | |
| نُشِرَتْ | بَلْ ۜ رَانَ | أَثَرْنَ | وَسَطْنَ | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| فَرَغْتَ | تَأْتُوْنَ | يُسْقَوْنَ | يَفْعَلُوْنَ | يَعْمَلُوْنَ |
| يَعْلَمُوْنَ | يَضْحَكُوْنَ | يَكْسِبُوْنَ | يَدْخُلُوْنَ | يَنْظُرُوْنَ |
| رَأْيِ | مَنْ ۜ رَاقٍ | أَنْذَرْنَا | أَنْزَلْنَا | خَلَقْنَا |
| رَفَعْنَا | وَضَعْنَا | نُطْفَةٍ | عِبْرَةً | زَجْرَةٌ |
| تَذْكِرَةٌ | مُسْفِرَةٌ | مُؤْصَدَةٌ | مَايَشَآءُ | اِسْتَطَعْتُ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| شَهْرٍ | فَجْرٍ | قَدْرٍ | زَكٰوةً |

| | | |
|---|---|---|
| صَلٰوةً | بَالِغَهٖ | مَمْنُوْنٍ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| مَحْفُوْظٍ | نِسَآءً | طُوًى | مَسْرُوْرًا ۝ |

| | | |
|---|---|---|
| مَآءً | أَبْوَابًا | مَجْرٖىهَا |

| | | | |
|---|---|---|---|
| أَزْوَاجًا | أَشْتَاتًا | إِطْعَامُ | أَعْنَابًا |

| | | | |
|---|---|---|---|
| أَفْوَاجًا | أَلْفَافًا | قُرْءَانًا | ٱلْحَمْدُ |
| إِهْدِنَا | وَٱلْفَتْحُ | وَٱلْعَصْرِ | مِنَ ٱلْمُعْصِرَٰتِ |
| مَعَ ٱلْعُسْرِ | مَا ٱلْقَارِعَةُ ٢ | وَإِذَا ٱلْمَوْءُۥدَةُ | |
| يَنْظُرُ ٱلْمَرْءُ | كَٱلْفَرَاشِ ٱلْمَبْثُوثِ | | |
| كَٱلْعِهْنِ ٱلْمَنْفُوشِ | لَيْلَةُ ٱلْقَدْرِ ○ | | |
| أَخْرَجَتِ ٱلْأَرْضُ | مِنْ أَهْلِ ٱلْكِتَٰبِ | | |
| عِنْدَ ذِى ٱلْعَرْشِ | يَمْنَعُونَ ٱلْمَاعُونَ | | |
| وَهُوَ ٱلْغَفُورُ ٱلْوَدُودُ | ذُو ٱلْعَرْشِ ٱلْمَجِيدُ ○ | | |
| لَقَدْ خَلَقْنَا ٱلْإِنْسَانَ فِىٓ أَحْسَنِ تَقْوِيمٍ ○ | | | |
| أَعْطَيْنَٰكَ ٱلْكَوْثَرَ | ءَآلْـَٰٔنَ | | |

الدَّرْسُ
الثَّانِي عَشَرَ

# التَّشْدِيدُ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| أَبَّ | إِبَّ | أُبَّ | أَتَّ | إِتَّ | أُتَّ |
| أَثَّ | إِثَّ | أُثَّ | أَجَّ | إِجَّ | أُجَّ |
| أَحَّ | إِحَّ | أُحَّ | أَخَّ | إِخَّ | أُخَّ |
| أَدَّ | إِدَّ | أُدَّ | أَذَّ | إِذَّ | أُذَّ |
| أَرَّ | إِرَّ | أُرَّ | أَزَّ | إِزَّ | أُزَّ |
| أَسَّ | إِسَّ | أُسَّ | أَشَّ | إِشَّ | أُشَّ |
| أَصَّ | إِصَّ | أُصَّ | أَضَّ | إِضَّ | أُضَّ |

الدَّرْسُ الثَّالِثُ عَشَرَ

## تَدْرِيبَاتٌ عَلَى الشَّدَّةِ

| | | | |
|---|---|---|---|
| بُرِّزَ | حُصِّلَ | صَدَّقَ | عَدَّدَ |
| قَدَّرَ | كَذَّبَ | نَعَّمَ | يَظُنُّ |
| تَحُضُّ | جَنَّةٍ | ثَمَّ | قُوَّةٍ |
| كَرَّةٌ | سُعِّرَتْ | قَدَّمَتْ | كَذَّبَتْ |
| زُوِّجَتْ | سُجِّرَتْ | فُجِّرَتْ | سُيِّرَتْ |
| عُطِّلَتْ | كُوِّرَتْ | أَيْدِيهِنَّ | عَلَيْهِنَّ |
| نُيَسِّرُهُمْ | ٱلْبَيِّنَةُ | قَيِّمَةٌ | عَشِيَّةً |

| | | | |
|---|---|---|---|
| مُذَكِّرٌ | أَيَّانَ | إِيَّاكَ | تجَلّٰى |
| إِيَّاىَ | يُصَلُّوْنَ عَلَى ٱلنَّبِيِّ | عَدُوٌّ | تَوَلّٰى |
| تَوَّابًا | ثَجَّاجًا | غَسَّاقًا | مَفَرُّ |
| أَذَلَّ | وَٱلْمُعْتَرَّ | مُمَدَّدَةٍ ٩ | مُكَرَّمَةٍ |
| لَا تَأْمَنَّا | وَالسَّمَآءِ | وَالتَّرَآبِ | وَٱلنَّٰشِطَٰتِ |

| | | |
|---|---|---|
| وَٱلنَّٰزِعَٰتِ | وَٱلسَّٰبِحَٰتِ | فَٱلسَّٰبِقَٰتِ |

| | |
|---|---|
| فَٱلْمُدَبِّرَٰتِ | ءَأَعْجَمِيٌّ وَّعَرَبِيٌّ |
| فَمَهِّلِ ٱلْكَٰفِرِينَ | بِٱلْخُنَّسِ ١٥ ٱلْجَوَارِ ٱلْكُنَّسِ ١٦ |

| |
|---|
| اِهْدِنَا ٱلصِّرَاطَ ٱلْمُسْتَقِيمَ ٦ |

الدَّرْسُ الرَّابِعَ عَشَرَ

## تَدْرِيبَاتُ الشَّدَّةِ مَعَ السُّكُونِ

مَرُّوا — رَبِّيْ — مُدَّتْ — حُقَّتْ — وَتَبَّ

تَبَّتْ — أَحَطتُّ — مُسَمًّى — أَن نَّمُنَّ — وَالصُّبْحِ

وَالشَّمْسِ — فَطَلٌّ — فِي الْحَجِّ — سَامِرِيٌّ

بِمُصْرِخِيَّ — وَالتِّينِ وَالزَّيْتُونِ — سِجِّيلٍ

سِجِّينٌ — فِي الْيَمِّ — إِنَّ الْجَنَّةَ — لِحُبِّ الْخَيْرِ

إِذَا السَّمَاءُ انشَقَّتْ

مَا الطَّارِقُ ۝ النَّجْمُ الثَّاقِبُ ۝

مِن شَرِّ الْوَسْوَاسِ الْخَنَّاسِ ۝

الدَّرْسُ الخَامِسُ عَشَرَ

## تَدْرِيبَاتُ شَدَّتَيْنِ فَأَكْثَرَ

| | | |
|---|---|---|
| يَزَّكَّىٰ | يَذَّكَّرُ | ٱلْمُدَّثِّرُ |
| ٱلْمُزَّمِّلُ | عِلِّيِّينَ ۝ | عِلِّيُّونَ ۝ |

| | |
|---|---|
| إِنَّ ٱلَّذِينَ | إِلَّا ٱلَّذِينَ |
| مِن شَرِّ ٱلنَّفَّٰثَٰتِ | فَعَّالٌ لِّمَا يُرِيدُ ۝ |

الدَّرْسُ السَّادِسُ عَشَرَ

## تَدْرِيبَاتُ الشَّدَّةِ مَعَ الْمَدِّ

| | | | |
|---|---|---|---|
| ضَآلًّا | دَآبَّةٍ | حَآجَّكَ | حَآجُّوكَ |

| | | |
|---|---|---|
| لَضَآلُّونَ | وَلَا ٱلضَّآلِّينَ | أَتُحَآجُّوٓنِّي |
| وَلَا تَحَٰٓضُّونَ | وَٱلصَّٰٓفَّٰتِ | مُضَآرٍّ |

| | |
|---|---|
| جَآءَتِ ٱلصَّآخَّةُ | وَلَا جَآنٌّ |
| فَإِذَا جَآءَتِ ٱلطَّآمَّةُ ٱلْكُبْرَىٰ | صَوَآفَّ |

# تَدرِيبَاتٌ عَامَّةٌ

أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

| | | |
|---|---|---|
| جَزَآءً | مَلَٰٓئِكَةُ | إِنَّآ أَعْطَيْنَا |
| إِلَيْنَآ إِيَابَهُمْ ○ | خَيْرًا يَرَهُۥ ○ | شَرًّا يَرَهُۥ ○ |
| مِيقَاتًا ○ يَوْمَ | فَمَن يَعْمَلْ | |
| مِن نَّصِيرٍ | مِن مَّآءٍ صَدِيدٍ | مِن رَّبِّكَ |
| رَسُولٌ مِّنَ اللَّهِ | صُحُفًا مُّطَهَّرَةً | |
| صَفًّا لَّا يَتَكَلَّمُونَ | قُلُوبٌ يَوْمَئِذٍ وَاجِفَةٌ ○ | |
| أَبْصَارُهَا | سِرَاجًا وَهَّاجًا ○ وَأَنزَلْنَا | |

أَكْلًا لَّمًّا ﴿١٩﴾ وَتُحِبُّونَ الْمَالَ حُبًّا جَمًّا ﴿٢٠﴾

عَادًا الْأُولَىٰ ﴿٥٠﴾

لُّمَزَةٍ ﴿١﴾ الَّذِي

فَخُورًا ﴿٣٦﴾ الَّذِينَ

قَدِيرٌ ﴿١﴾ الَّذِي

نُوحٌ ابْنَهُ

مَنْ بَخِلَ

لَيُنبَذَنَّ

مِنْ بَعْدِ

مِن بَيْنِ الصُّلْبِ

لَنَسْفَعًا بِالنَّاصِيَةِ

بِذَنبِهِمْ

مُّطَهَّرَةٍ ﴿١٤﴾ بِأَيْدِي سَفَرَةٍ ﴿١٥﴾ كِرَامٍ بَرَرَةٍ ﴿١٦﴾

هُمْ فِيهَا

لَكُمْ دِينُكُمْ وَلِيَ دِينِ ﴿٦﴾

إِنَّ رَبَّهُم بِهِمْ

تَرْمِيهِم بِحِجَارَةٍ

لَهُم مَّا يَشَاءُونَ

مِمَّ اللَّهُمَّ